सूरत-ए-हाल | एचएयू में दो साल से नहीं हुई एचओडी की नियुक्तियां

28 विभाग, 22 अध्यक्ष कार्यवाहक

संजय योगी | हिसार

हरियाणा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी में पिछले दो साल से हेड ऑफ दी डिपार्टमेंट की नियुक्तियां नहीं हुई। केवल एडिशनल चार्ज के सहारे विभागों को चलाया जा रहा है। हालात यह है कि यूनिवर्सिटी के चार कॉलेजों के 28 विभागों में से 6 विभागों में ही रेगूलर हेड हैं। बाकी 22 विभागों के अध्यक्षों के पदों पर एडिशनल चार्ज के सहारे काम चलाया जा रहा है।

वर्ष 2014 में कुछ विभागों के हेड ऑफ दी डिपार्टमेंट के लिए आवेदन मांगे गए थे। इन पदों के लिए शिक्षकों ने आवेदन भी किए थे और इंटरव्यू होने वाले थे। इसी बीच अक्टूबर 2014 में हुए चुनाव में प्रदेश में कांग्रेस की जगह भारतीय जनता पार्टी की सरकार आ गई। इसके चलते हेड ऑफ दी डिपार्टमेंट का मामला ठंडे बस्ते में चला गया। इसके बाद यूनिवर्सिटी में आज तक इन पदों पर रेगूलर अधिकारियों को नहीं लगा पाई। पिछले दो सालों से इन पदों का एडिशनल चार्ज दिया हुआ है। यूनिवर्सिटी कैंपस में एग्रीकल्चर कॉलेज, होम साइंस कॉलेज, बेसिक साइंस कॉलेज व एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग कॉलेज हैं। चारों कॉलेजों में 28 विभाग हैं। इनमें से केवल छह विभाग एग्रीकल्चर कॉलेज के प्लांट पैथोलॉजी, एग्रोनामी व एक्सटेंशन एजुकेशन विभाग, बेसिक साइंस कॉलेज के बॉटनी एंड प्लांट फिजियोलॉजी, होम साइंस के फूड एंड न्यूट्रीशियन व एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग कॉलेज के सॉयल वाटर इंजीनियरिंग में ही रेगूलर हेड ऑफ दी डिपार्टमेंट नियुक्त हैं।

किस कॉलेज में कितने विभाग

कॉलेज	विभाग	रेगूलर हेड	अतिरिक्त चार्ज
एग्रीकल्चर कॉलेज	14	03	11
बेसिक साइंस कॉलेज	07	01	06
एग्री. इंजी. कॉलेज	03	01	02
होम साइंस कॉलेज	05	01	04

ये हैं विभागों में रेगूलर हेड

एग्रीकल्चर कॉलेज : प्लांट पैथोलॉजी डिपार्टमेंट : डॉ. एसएस कड़वासरा
एग्रोनामी डिपार्टमेंट : डॉ. जगदेव सिंह
एक्सटेंशन एजुकेशन डिपार्टमेंट : डॉ. प्रदीप सहरावत

बेसिक साइंस कॉलेज : बॉटनी एंड प्लांट फिजियोलॉजी डिपार्टमेंट : डॉ. जेके संधूजा

होम साइंस कॉलेज : फूड एंड न्यूट्रीशियन डिपार्टमेंट : डॉ. पिंकी बूरा

एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग कॉलेज : सॉयल वाटर इंजी. डिपार्टमेंट : डॉ. आरके ज़ोरड़

इस साल ये बड़े पद भी हो जाएंगे खाली

- **वाइस चांसलर** : डॉ. केएस खोखर, जुलाई में कार्यकाल समाप्त।
- **डायरेक्टर एक्सटेंशन एजूकेशन** : डॉ. आरएस आंतिल, जुलाई में रिटायर।
- **डीन पोस्ट ग्रेजुएट** : डॉ. राजबाला ग्रेवाल, अगस्त में रिटायर।
- **डायरेक्टर ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट** : डॉ. राम सिंह, अगस्त में रिटायर।
- **डीन, एग्रीकल्चर कॉलेज** : डॉ. आरके पानू, दिसंबर में रिटायर डीन, एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग कॉलेज, डॉ. एके गोयल, दिसंबर में रिटायर

यह है चयन प्रक्रिया

हेड ऑफ दी डिपार्टमेंट के लिए सामान्य भर्ती की तरह प्रक्रिया अपनाई जाती है। पद के लिए शिक्षकों से आवेदन मांगे जाते हैं। फिर आवेदनों की छंटनी की जाती है। इसके बाद एक कमेटी गठित करके शिक्षकों के साक्षात्कार लिए जाते हैं जिसके आधार पर शिक्षक का इस पद के लिए चयन होता है। हेड ऑफ दी डिपार्टमेंट का कार्यकाल चार साल के लिए होता है।

एडिशनल चार्ज का नहीं लाभ

विभागों में इस प्रकार एडिशनल चार्ज देने से विभागीय कामकाज का नुकसान तो हो ही रहा है साथ में यह एडिशनल चार्ज लेने से शिक्षकों को भी कोई फायदा नहीं होता। अगर किसी शिक्षक को कहीं किसी पद के लिए आवेदन करना हो तो एडिशनल चार्ज को अनुभव में शामिल नहीं किया जाता। ऐसे में इससे यूनिवर्सिटी के साथ-साथ शिक्षकों को भी नुकसान है।

सरकार ने भर्तियों पर प्रतिबंध लगाया हुआ है और ये भी एक प्रकार से नई भर्ती ही हैं। इसलिए इन पदों पर रेगूलर नियुक्तियां नहीं की जा रही हैं।''
डॉ. एमएस दहिया, रजिस्ट्रार एचएयू।

हौटा सरकार व वीसी से हेड आफ दी डिपार्टमेंट के पदों पर जल्द से जल्द रेगूलर नियुक्तियां करने मांग करती आ रही है। इससे शिक्षकों व विभाग दोनों को ही नुकसान है।'' **डॉ. राज सिंह**, अध्यक्ष, एचएयू शिक्षक संघ।